IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 8, April 2024

मोहरवा कोठार में महिलाओं का मतदान व्यवहार एक अध्ययन; (रीवा जिले के सेमरिया तहसील के विशेष संदर्भ में)

डॉ. शकुन शुक्ला[1] व मंजुला द्विवेदी[2]

प्राध्यापक ६ विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग (सेवानिवृत्त),
शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालयए भोपाल, मध्य प्रदेश[2]
शोधार्थी, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालयए भोपाल, मध्य प्रदेश[1]

शोध सारांश– प्रजातंत्र या लोकतंत्र ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें जनहित सर्वोपरि है, प्रजातंत्र का अर्थ केवल शासन प्रणाली तक सीमित नहीं है यह राज्य व समाज का रूप भी है अतः यह राज्य समाज व शासन तीनो का मिश्रण है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लोकतंत्र को सर्वाधिक वैधता प्राप्त करने वाली शासन प्रणाली के रूप में स्वीकार किया जा चुका है। चुनावी लोकतांत्रिक शासन तंत्र की आत्मा है। लोकतंत्र की वास्तविक क्षमता और सशक्तता नागरिकों की सक्रिय सहभागिता और सचेतना पर निर्भर है, मतदान व्यवहार प्रत्येक देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक मतदाता के रूप में नागरिक राजनीतिक सहभागिता करते समय वह विभिन्न कारकों से प्रभावित होता है, कोई मतदाता ऐसे विभिन्न कारकों से प्रभावित होकर ही अपना राजनीतिक व्यवहार निर्धारित करता है, और उसके इसी व्यवहार को मतदान व्यवहार कहते हैं।

शब्द कुंजी– लोकतंत्र, मतदान व्यवहार, राजनीति, चुनाव, लोकतांत्रिक, निर्वाचन, मतदाता, प्रतिनिधि।